पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल ने भारतीय मुद्रा परिषद के 104वें वार्षिक सम्मेलन का किया उद्घाटन

———————

मुद्रा किसी भी देश की संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतिबिम्ब

———————

नयी पीढ़ी ही हमारी संस्कृति की संवाहक

———————

स्वच्छता एवं जल संरक्षण की सीख हमे अपने बच्चों को बचपन से ही देनी चाहिये

———————

किसी भी दशा में जल की बर्बादी न हो

राज्यपाल ने राजभवन में एक सिक्का एल्बम रखने की घोषणा की

———————

शिक्षक अपने विद्यालय के बच्चों को शैक्षिक भ्रमण पर अवश्य ले जायें

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

हम अपनी संस्कृति, शिक्षा एवं संस्कार से अपने बच्चों को जोड़ें

———————

अभिभावक अपनी नयी पीढ़ी को अपने पर्यटन स्थलों से परिचित करायें

—मुकेश मेश्राम

———————

लखनऊः 17 नवम्बर, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज अर्न्तराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, गोमतीनगर के प्रांगण में राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा 17 से 19 नवम्बर, 2022 तक

आयोजित भारतीय मुद्रा परिषद के 104वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि मुद्रा किसी भी देश की संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतिबिम्ब होती है। इससे तत्कालीन इतिहास एवं अर्थव्यवस्था की जानकारी मिलती है, जिससे हमारी आगामी पीढ़ियों को हमारी समृद्ध संस्कृति का ज्ञान होता है।

राज्यपाल जी ने कहा कि सिक्कों पर प्राप्त तिथियां एवं अंकन उस कालखण्ड के इतिहास व संस्कृति की जानकारी का सशक्त माध्यम है। क्योंकि सिक्के तत्कालीन धर्म एवं दर्शन व सामाजिक जीवन को प्रतिबिम्बत करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से हमारी युवा पीढ़ी इस प्रकार की जानकारियों से अनभिज्ञ है। हमारा प्रयास होना चाहिये कि इस प्रकार की प्रदर्शनी को अलग–अलग शहरों में लगायें तथा उनका भ्रमण भी अपने बच्चों को अवश्य करायें ताकि हमारे बच्चे हमारी संस्कृति के बारे में जान सकें। राज्यपाल जी ने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने विद्यालय के बच्चों को भी शैक्षिक भ्रमण पर अवश्य ले जायें ताकि वे हमारे पर्यटन स्थलों एवं संस्कृति के बारे में जान सकें।

राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि टूर पर जाने वाले बच्चों में से ही 4 या 5 बच्चों की टीम बनाकर भ्रमण वाले स्थल की सम्पूर्ण जानकारी दें ताकि वे भ्रमण पर गये अन्य बच्चों को भी जानकारी दे सकें। उन्होंने कहा कि मुझे दुःख है कि हमारे बच्चे हमारी ऐतिहासिक समृद्धता से अनभिज्ञ हैं। उत्तर प्रदेश का इतिहास बहुत समृद्ध है। हमें अपने बच्चों को ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर ले जाकर उन्हें उनसे परिचित कराना चाहिये। क्योंकि हमारी नयी पीढ़ी ही हमारी संस्कृति की संवाहक है।

राज्यपाल जी ने जल संरक्षण पर चर्चा करते हुये कहा कि स्वच्छता एवं जल संरक्षण की सीख हमे अपने बच्चों को बचपन से ही देनी चाहिये। सरकार हर घर नल योजना के तहत घर–घर जल पहुंचाने का काम कर रही है। हमारा संकल्प होना चाहिये कि किसी भी दशा में जल की बर्बादी न हो।

राज्यपाल जी ने बौद्ध संस्थान में लगायी गयी मुद्रा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुये कहा कि सिक्कों की दुनिया बहुत निराली है। इसका ज्ञान हमें अपने बच्चों को अवश्य कराना चाहिये। उन्होंने राजभवन में एक सिक्का एल्बम रखने की घोषणा की।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने शोध पत्रों के संकलन पर आधारित स्मारिका का विमोचन किया।

प्रमुख सचिव संस्कृति श्री मुकेश मेश्राम ने कहा कि दशकों बाद यह सम्मेलन लखनऊ में हो रहा है, जिसका उद्देश्य है कि हम अपनी संस्कृति, शिक्षा एवं संस्कार से अपने बच्चों को जोड़ें तथा उन्हें अपनी संस्कृति से परिचित करायें। प्रमुख सचिव ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में समृद्ध संस्कृति एवं प्राकृतिक धरोहरों पर शोध कार्य तथा विषयगत जानकारी के कोर्स भी चलाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी नयी पीढ़ी को अपने पर्यटन स्थलों से परिचित करायें।

भारतीय मुद्रा परिषद के अध्यक्ष डा0 राजा रेड्डी ने मुद्रा शास्त्र के विकास पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर भारतीय मुद्रा परिषद के 104वें सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो0 मक्खन लाल, मुद्रा परिषद के महासचिव प्रो0 पी0एन0 सिंह, विशेष सचिव संस्कृति आनंद कुमार, राज्य संग्रहालय के निदेशक डा0 आनंद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में देश भर से आये मुद्रा संरक्षक मौजूद थे।

———

राम मनोहर त्रिपाठी–सहायक निदेशक/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9453005360

भारतीय मुद्रा परिषद का 104वां वार्षिक सम्मेलन
(17–19 नवम्बर, 2022)
शुभारम्भ
दिनांक : 17 नवम्बर, 2022
मुख्य अतिथि